

प्रेषक,

विनोद फोनिया
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
यमुना कालोनी देहरादून।

सिंचाई अनुभाग,

देहरादून, दिनांक, 28, मई, 2009

विषय:- जनपद चमोली के वि०ख० जोशीमठ अन्तर्गत ग्राम चाई के भू-स्खलन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु सिंचाई विभाग की भूमि को हस्तान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग उत्तराखण्ड के पत्र सं०-452/मु०अ०वि०/नि०अनु०/एल०-6(जनरल) दि०-26.02.2009 में अंकित सहमति/संस्तुति को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त लिये गए निर्णयानुसार वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय ज्ञाप सं०-260/वि०अनु०-3/2002, दि०-15.02.2002 में निहित प्राविधानों/उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तों के अधीन सिंचाई विभाग के स्वामित्व की जोशीमठ के ग्राम चुनार तोक में स्थित 1.082 हैक्टेयर भूमि राजस्व विभाग, उत्तराखण्ड को जनपद चमोली के ग्राम चाई के भू-स्खलन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय एतद्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

शर्तें:-

1. उक्त भूमि राजस्व विभाग, उत्तराखण्ड को ग्राम चाई (तहसील जोशीमठ, जनपद चमोली) के भू-स्खलन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु दी जा रही है। इस भूमि को किसी अन्य विभाग को हस्तान्तरित करने का अधिकार नहीं होगा।
2. उक्त भूमि का हस्तान्तरण जन प्रयोजनार्थ के लिए किया जा रहा है, यदि प्रस्तावित भूमि को किसी अन्य प्रयोजन हेतु प्रयोग किया जाता है तो उसकी स्वीकृति सिंचाई विभाग से पुनः प्राप्त करनी होगी।
3. यदि उक्त भूमि की भविष्य में राजस्व विभाग को आवश्यकता नहीं होगी तो भूमि सिंचाई विभाग को वापस करनी होगी।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री, उत्तराखण्ड को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. प्रमुख सचिव, राजस्व, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, चमोली।
4. मुख्य अभियन्ता, गंगा घाटी, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस०एस० टोलिया)
अनु सचिव।